I

M.R. Angare
22/04/2020

Objectivity v/s Subjectivity
वस्तुनिष्ठ बनाम निबन्धात्मक

=> शिक्षक द्वारा छात्रों का मूल्यांकन करने के लिए लिखित, मौखिक तथा प्रायोगात्मक या क्रियात्मक प्रश्नों का सहारा लिया जाता है।

=> लिखित मूल्यांकन में छात्रों के परीक्षण हेतु प्रश्न लिखित रूप में दिए जाते हैं तथा छात्र प्रश्नों के उत्तर भी लिखित रूप में ही देते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों के लेखन कौशल का परीक्षण करना होता है।

=> लिखित परीक्षा दो प्रकार की होती है:-

1. वस्तुनिष्ठ (Objective)
2. निबंधात्मक (Subjective)

=> वस्तुनिष्ठ परीक्षण उन शिक्षार्थियों के ज्ञान के एक विशिष्ट भाग का आकलन करने का लक्ष्य रखते हैं, जिनके प्रश्नों का एक ही सही उत्तर होता है।

=> छात्रों के प्रदर्शन के क्षेत्रों का आकलन करने के उद्देश्य से किए गए निबंधात्मक परीक्षण, जटिल और गुणात्मक होते हैं, ~~यह प्रश्न~~ जिनके प्रश्नों का एक से अधिक सही उत्तर या इसे व्यक्त करने के अधिक तरीके हो सकते हैं।

M.R. Angare
22/04/2020

M.R. Ansari
23/04/2020

II

⇒ वस्तुनिष्ठ परीक्षा में निश्चित उत्तर वाले प्रश्नों को समाहित किया जाता है अतः इस परीक्षा को अधिक विश्वसनीय व व्यवहारिक माना गया है। इस परीक्षा में कम समय में छात्रों का परीक्षण किया जा सकता है। विश्वसनीय परिणाम मिलते हैं। ज्ञान को स्थायित्व मिलता है लेकिन इस तरह के परीक्षण में लेखन शैली, निरीक्षण शक्ति व कल्पना शक्ति का परीक्षण संभव नहीं है।

⇒ निबन्धात्मक परीक्षा/वर्णनात्मक परीक्षा प्राचीन व परम्परागत परीक्षा प्रणाली है जिसमें प्रश्नों के उत्तर निबंध रूप में दिये जाते हैं। इसका प्रमुख उद्देश्य छात्रों के भाषा कौशलों, भाषा शैली, मानसिक या बौद्धिक तर्क चिन्तन व कल्पना शक्ति, भाषायी ज्ञान, लेखन कौशल तथा अभिव्यक्ति कौशल का परीक्षण करना है। यह अधिक वैध व विश्वसनीय नहीं है क्योंकि इसमें जाँचकर्ता के स्वभाव व दृष्टिकोण की प्रधानता होती है।

⇒ वस्तुनिष्ठ परीक्षण की तुलना में निबन्धात्मक परीक्षण के प्रश्न के उत्तर असीमित, अनिश्चित व वर्णनात्मक होते हैं जिनका मूल्यांकन कठिन व अलग-अलग रहता है।

III

M.P. Ansari
22/04/2020

वस्तुनिष्ठ प्रश्न के प्रकार
(Type of objective questions)

- **अभिज्ञानात्मक (Cognitive)**
  - बहुविकल्पात्मक प्रश्न
    Multiple-choice Items
  - एकांतर अनुक्रिया या सत्य या असत्य प्रश्न
    True-False Items
  - समानता या मिलान पद
    Matching Items
  - वर्गीकरण या विभेदीकरण पद
    Differention Part
- **प्रत्यास्मरणात्मक (Recollection)**
  - रिक्त स्थान पूर्ति प्रश्न
    Blank fulfillment question
  - सरल प्रत्यास्मरण रूप प्रश्न
    Simple Recollecti form questio

निबन्धात्मक प्रश्न के प्रकार
(Type of Subjective question)

- अतिलघुउत्तरात्मक — very short type
- लघुउत्तरात्मक — short type
- निबन्धात्मक — Essay type

IV

M.R. Ansari
23/04/2020

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के गुण
(Properties of objective question)

=> इस प्रणाली का मूल्यांकन शुद्ध होता है।

=> उद्देश्य की पूर्ति में सहायक

=> यह परीक्षा मूल्यांकन की निष्पक्ष व संक्षिप्त विधि है।

=> यह विश्वासनीय प्रणाली है।

=> रटन्त विद्या कम करना

=> परीक्षाओं का अंकन सुगमतापूर्वक किया जा सकता

=> परीक्षण में कम समय

=> इस प्रकार के परीक्षणों को बनाने एवं व्यवहार में लाने में व्यापकता पायी जाती है।

वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के दोष
(Demerit of objective type question)

=> इस प्रकार के परीक्षण के निर्माण हेतु विशेष प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

=> अनुमान आधारित उत्तर।

=> अधिक लागत।

=> लिखित अभिव्यक्ति का ह्रास

=> सृजनात्मक चिन्तन (creative thinking), ~~[illegible]~~ विचार, दृष्टिकोण एवं भावात्मक ~~[illegible]~~ कौशल का परीक्षण करना संभव नहीं।

M.R. Ansari
23/04/2020

Date
V
Expt. No. Page No.

M.R. Ansari
23/04/2020

निबन्धात्मक परीक्षणों के गुण
(Merits of Subjective Question)

⇒ सृजनात्मक चिन्तन, कल्पनाशक्ति, निर्णय शक्ति, स्मरण शक्ति का पता लगाने में सहायक।

⇒ व्यक्तिगत विचारों का पता लगाने में सहायक।

⇒ परीक्षण को बनाने में सरलता व कम लागत।

⇒ अध्यापकों हेतु सामान्य प्रशिक्षण की आवश्यकता।

⇒ विद्यार्थियों को स्वतंत्र एवं संगठित रूप से विचारों को अभिव्यक्त करने के अवसर।

निबन्धात्मक परीक्षा के दोष
(Demerits of Subjective Test)

⇒ विश्वसनीयता का अभाव।

M.R. Ansari
23/04/2020

⇒ अंकन में समय अधिक लगता है।

⇒ वैधता का अभाव।

⇒ व्यापकता का अभाव। अर्थात इस प्रकार के परीक्षणों में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को सम्मिलित नहीं किया जा सकता।

⇒ रटन्त प्रवृत्ति को बल। ~~[illegible]~~

⇒ उचित मूल्यांकन कठिन।

M.R. Ansari
Teacher's Signature: 23/04/2020